महिला उद्यमियों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पाद लोगों को कर रहे आकर्षित

इंदौर में सजा विशेष हैंडमेड आर्ट, क्राफ्ट एवं राखी मेला

नवभारत

इंदौर. कस्तूरबा गांधी महिला कल्याण केंद्र द्वारा प्रीतम लाल दुआ सभागृह आर्ट गैलरी में 8 से 10 अगस्त तक आर्ट ऑफ क्रिएशन- 19वां एडिशन के तहत विशेष हैंडमेड आर्ट, क्राफ्ट एवं राखी मेले का आयोजन किया जा रहा है.

मेले में शहरवासियों को हस्तनिर्मित उत्पादों की आकर्षक श्रृंखला देखने और खरीदने का अवसर मिल रहा है. प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक खुली रहेगी। आयोजकों ने शहरवासियों से परिवार सहित मेले में पहुंचकर हस्तनिर्मित कला और उत्पादों का आनंद लेने तथा स्थानीय कलाकारों एवं महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है.

आयोजक सपना राठौर ने बताया कि मेले में महिलाओं और स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं. करीब 30 स्टॉलों पर फैब्रिक पेंटिंग, साड़ी व दुपट्टों पर हाथ से की गई पेंटिंग, गोंड आर्ट, लिपन आर्ट, पाइप रीलिंगर, चॉकलेट बुके, होममेड हर्बल स्किन केयर उत्पाद, हाथों से बनी राखियां, हार, ज्वेलरी, होम डेकोर, मेहंदी और लाइफ पोर्टेट सहित कई उत्पाद उपलब्ध हैं.

लता कुशवाह के अनुसार, मेले का उद्देश्य स्थानीय कलाकारों और महिला उद्यमियों को मंच उपलब्ध कराना तथा उनके हुनर को व्यापक पहचान दिलाना है। यहां विभिन्न आयु वर्ग और बजट के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध हैं।

इंदौर में हो विकास के साथ हरियाली, चौड़े रास्ते व शुद्ध जल

नवभारत
कैसा हो सपनों का इंदौर

मालवा की मिट्टी में बसा इंदौर शहर अब वह पुराना इंदौर शहर नहीं रहा. बदलते समय के साथ-साथ शहर की आबो हवा बदलती चली गई और इंदौर के बाहर से कई लोग इंदौर में मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी होने के कारण काम धंधे हेतु बसते चले गए. साथ ही साथ बसावट के कारण कई समस्याएं शहर की बढ़ती चली गई और अब इंदौर शहर मेट्रोपॉलिटन एरिया में स्थापित हो चला है. अब आवश्यकता है इंदौर में विकास के साथ हरियाली और चौड़े रास्ते, शुद्ध जल, शिक्षा का स्तर बढ़े और हर संस्थान एवं हर घर में अहिल्याबाई का चित्र स्थापित हो. इन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कर्मठ और ईमानदार जनसेवक आवश्यक है जो इंदौर का प्रतिनिधित्व प्रदेश स्तर एवं केंद्र स्तर पर समय-समय पर करते रहे. शासन प्रशासन को भी अपना संवैधानिक कर्तव्य पूर्ण निष्ठा के साथ शहर इंदौर के लिए निभाना आवश्यक है तथा शहर के नागरिकों को भी उसमें सहभागिता करना उतना ही अत्यंत आवश्यक है, तभी मेरे सपनों का शहर वास्तविकता में धरातल पर देखने को मिलेगा.

डॉ. अजिक्य स. डगांवकर
अभिभाषक

अग्रसेन क्लब में राखी एग्जीबिशन का शुभारंभ

70 से अधिक स्टॉलों पर सजा खरीदारी का बाजार

सरिता भूतड़ा

श्वेता गुप्ता

नवभारत

इंदौर. श्री अग्रसेन क्लब द्वारा कच्छ पाटीदार भवन, नौलखा परिसर के सामने, सपना-संगीता रोड पर दो दिवसीय राखी एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है. एग्जीबिशन का शुभारंभ शनिवार को हुआ. इसमें इंदौर सहित शहर के बाहर से आए व्यापारियों और महिला उद्यमियों ने 70 से अधिक स्टॉल लगाए हैं. एग्जीबिशन का मुख्य उद्देश्य घर से व्यवसाय करने वाली महिलाओं को बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर प्लेटफॉर्म देना है. यहां राखी, राखी ट्रे, होम डेकोरेशन, कपड़े, सूट सहित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं.

आयोजकों के अनुसार, 5 हजार रुपए से अधिक की खरीदारी पर आकर्षक पुरस्कार तथा खरीदारी पर चांदी का सिक्का नि:शुल्क देने की योजना भी रखी गई है. एग्जीबिशन में इंदौर की श्वेता गुप्ता ने सिंगापुर टाउनशिप में अपने घर से होम डेकोरेशन का व्यवसाय शुरू किया है. उन्होंने यहां होम डेकोरेशन सामग्री और राखी ट्रे की स्टॉल लगाई है. श्वेता ने बताया कि एग्जीबिशन का माहौल उन्हें काफी अच्छा लगा और लोगों की ओर से भी उनके उत्पादों को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है. वहीं उज्जैन से आईं सरिता भूतड़ा ने एग्जीबिशन में सूट और क्रॉप टॉप की स्टॉल लगाई है. उन्होंने बताया कि यहां सूट और क्रॉप टॉप की अच्छी बिक्री हो रही है. उन्होंने कहा कि इंदौर के लोगों का व्यवहार भी अच्छा है और वे अलग-अलग शहरों में होने वाली एग्जीबिशन में स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन करती हैं. आयोजकों के अनुसार, रविवार 9 अगस्त को एग्जीबिशन में विभिन्न विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. दोपहर 4 बजे सेलिब्रिटी कोर्स की सुप्रसिद्ध प्रशिक्षक सीमा गोयल द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा. रात 8 बजे अग्रवाल समाज की वरिष्ठ संस्थाओं एवं समाजसेवियों का सम्मान समारोह आयोजित होगा. कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित समाज के वरिष्ठजन एवं समाजसेवी उपस्थित रहेंगे. श्री अग्रसेन क्लब के प्रमुख मार्गदर्शक निखिल शीतल अग्रवाल, राजेश ऊषा बंसल, संस्थापक राधा देवी मित्तल, कमल किशोर गर्ग, पुष्पा ऐरन, अध्यक्ष उमेश सपना मंगल, राकेश प्रीति गोयल, प्रकाश अंजली बंसल, मीना नारायण गोयल, गजेंद्र रिंकू अग्रवाल एवं आशीष वंदना मित्तल द्वारा एग्जीबिशन संबंधी जानकारी दी गई.

किशोर-रफी के सदाबहार गीतों से गूंजा प्रीतमलाल सभागृह

नवभारत

इंदौर. कमल राज म्यूजिकल ग्रुप की ओर से 'किशोर-रफी की सुनहरी यादें' संगीत संध्या का आयोजन प्रीतमलाल दुआ सभागृह, इंदौर में किया गया. कार्यक्रम में किशोर कुमार और मोहम्मद रफी के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियों ने संगीतप्रेमियों को पुराने दौर की यादों में पहुंचा दिया.

कार्यक्रम में 'गुनगुना रहे हैं भंवरे', 'मुझे छू रही हैं तेरी गर्म सांसें', 'खिलौना जानकर तुम तो मेरा दिल तोड़ जाते हो', 'चिंगारी कोई भड़के', 'आंखों में हमने आपके', 'अपनी तो हर आह एक तूफान है', 'इस मोड़ से जाते हैं', 'चल मेरे भाई', 'इस भरी दुनिया में', 'मैं शायर बदनाम', 'श्याम तेरी बंसी' सहित कई लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए गए. इसके अलावा 'चांद के पास जो सितारा है', 'पर्दा है पर्दा', 'आ जा तेरी याद आई', 'ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर', 'तेरी दुनिया से होकर मजबूर चला', 'मेरे नैना सावन भादों', 'दिल की आवाज भी सुन', 'कह दूं तुम्हें या चुप रहूं', 'एहसान तेरा होगा मुझ पर', 'आज पुरानी राहों से', 'तेरे मेरे मिलन की ये रैना' और 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं' जैसे गीतों ने भी श्रोताओं का खूब मनोरंजन किया. कार्यक्रम में सचिन, विवेक, सुधांशु, संजय जी, कमल भैया, भावना ताई और बिजासिनी सहित कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं. कहीं एकल तो कहीं जुगलबंदी के रूप में पेश किए गए गीतों ने कार्यक्रम में समां बांध दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया. किशोर कुमार और मोहम्मद रफी के अमर गीतों से सजी इस संगीत संध्या ने संगीतप्रेमियों को हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर की याद दिला दी. देर तक सभागृह में सुरों और तालियों की गूंज बनी रही.

इनका कहना है...

संजय शर्मा ने कहा देखिए, इंदौर शहर जो है, वो संगीत प्रेमियों का शहर है. बड़ा आनंद आता है, संगीत जो है एक तरह की थेरेपी है और उस थेरेपी से लोग-बाग स्वस्थ होते हैं, मेरा यह मानना है. तो गाने वाले भी और सुनने वाले, दोनों ही इसका लाभ उठाते हैं.

आशीष छोरों ने कहा जब भी समय मिलता है हम बिल्कुल यह प्रोग्राम अटेंड करते हैं और काफी अच्छा लगता है. नए-नए कलाकार को सुनने का मौका मिलता है.

शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टर का व्याख्यान आज

इंदौर. सामाजिक संस्था सार्थक द्वारा 9 अगस्त को एक विशेष प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रख्यात शिक्षाविद्, राष्ट्रचिंतक एवं राज्यसभा सांसद आदरणीय सी. सदानंदन मास्टर होंगे. ये संघर्ष से संसद तक- वैचारिक प्रतिबद्धता विषय पर अपने विचार व्यक्त करेंगे. संस्था संयोजक दीपक जैन टीनू ने बताया कि सदानंदन मास्टर जी का जीवन युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित नागरिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका उद्बोधन संघर्ष, विचार और सामाजिक दायित्व के प्रति नई ऊर्जा प्रदान करेगा. कार्यक्रम 9 अगस्त को शाम 4 बजे महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह, में आयोजित होगा.

रक्षाबंधन और तीज को लेकर सजा फैशन बाजार

एग्जीबिशन में दिखी डिजाइनों की खास वैरायटी

नवभारत

इंदौर. रक्षाबंधन और हरियाली तीज के त्योहार को ध्यान में रखते हुए एसेंशिया लग्जरी होटल में फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रदर्शनी में इंदौर के साथ-साथ शहर के बाहर से आए व्यापारियों ने भी अपने स्टॉल लगाए. यहां सूट, लहंगे, ब्लाउज, डिजाइनर ड्रेस, दुपट्टे और पारंपरिक परिधानों की आकर्षक वैरायटी देखने को मिली।प्रदर्शनी में जयपुर से आए राजेश ने भी अपना स्टॉल लगाया है, जहां राजस्थानी डिजाइन के सूट, लहंगे और ब्लाउज की अलग-अलग वैरायटी उपलब्ध है. राजस्थानी प्रिंट और डिजाइन वाले परिधान महिलाओं के बीच खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. आयोजकों के अनुसार प्रदर्शनी में लगभग आधे स्टॉल इंदौर के व्यापारियों के हैं, जबकि आधे स्टॉल इंदौर के बाहर से आए व्यापारियों ने लगाए हैं. बाहर से आए व्यापारी अपने अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों की खास डिजाइन व कलेक्शन लेकर पहुंचे हैं. प्रदर्शनी में कई तरह के आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं, जिससे ग्राहकों को एक ही जगह पर अलग-अलग डिजाइन और वैरायटी देखने व खरीदारी करने का मौका मिल रहा है.

जनक दीदी से महिलाओं ने सस्टेनेबल आजीविका सीखी

नवभारत

इंदौर. जिले के जन विकास से स्वयं सहायता समूहों की सब्ज़ी -फल बेचने, दिहाड़ी-मज़दूरी करने वाली महिलाओं के समूह सस्टेनेबल आजीविका सीखने के लिए, जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट आए. सेंटर की डायरेक्टर डॉ. जनक पलटा मगिलिगन ने स्वागत करने के बाद उन्हें दिखाया कि पूरा परिसर पवन और ऊर्जा से संचालित बिजली पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं. फिर सोलर कुकरों पर बिना धुएं सोलर कुकिंग, घर में उगाई जैविक दाल, चावल, सब्जियां, मसालों आदि को देख आश्चर्यचकित व अभिभूत हुए. पर्यावरण-प्रिय आभा तिवारी दीदी के साथ पूरे परिसर का भ्रमण किया. उन्होंने जैव-विविधता फार्म में महिलाओं को देशी बीजों के संरक्षण, उनकी जैव विविधता तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती में उनकी पारंपरिक एवं वैज्ञानिक विधियों उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी. प्रोजेक्ट मैनेजर सपना कुमावत ने कहा यहाँ आना एक अत्यंत प्रेरणात्मक और अद्भुत वैज्ञानिक अनुभव रहा और हम सभी ने सस्टेनेबल आजीविका की राह पर चलना सीखा.

बारिश सिर्फ मौसम नहीं बदलती, बदल देती है त्वचा की जरूरतें भी

मानसून में त्वचा की देखभाल : बारिश के मौसम में ऐसे रखें त्वचा को स्वस्थ और सुरक्षित

नवभारत

इंदौर. मानसून की बारिश जहां गर्मी से राहत देती है, वहीं वातावरण में बढ़ी नमी त्वचा के लिए कई तरह की परेशानियां भी लेकर आती है. उमस, पसीना और लगातार नमी के कारण त्वचा तैलीय हो सकती है और मुहाँसे, फंगल इंफेक्शन, खुजली, जलन तथा अन्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में मौसम बदलने के साथ त्वचा की देखभाल का तरीका बदलना भी जरूरी है.

डॉ. प्रखर गुप्ता

डॉ. प्रखर गुप्ता, एमबीबीएस, एमडी (त्वचा रोग विशेषज्ञ) बताते हैं कि मानसून में सबसे ज्यादा ध्यान त्वचा को सूखा और साफ रखने पर देना चाहिए. कमर, जांघों के बीच, बगल, स्तनों के नीचे और पैरों की उँगलियों के बीच नमी लंबे समय तक बनी रहने से फंगल संक्रमण की संभावना बढ़ सकती है इसलिए बारिश में भीगने या पसीना आने के बाद गीले कपड़े और मोजे जल्द से जल्द बदलने चाहिए. डॉ. गुप्ता के अनुसार, त्वचा में खुजली या लाल चकत्ते होने पर बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई भी क्रीम लगाना उचित नहीं है. खासतौर पर स्टेरॉयड युक्त मिश्रित क्रीम फंगल संक्रमण को कुछ समय के लिए दबा सकती हैं, लेकिन बाद में समस्या को अधिक जटिल बना सकती हैं. इसलिए खुजली या संक्रमण की स्थिति में त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है. डॉ. प्रखर गुप्ता का कहना है कि त्वचा को सिर्फ चमकाने पर नहीं, बल्कि उसे स्वस्थ रखने पर ध्यान देना चाहिए। आखिरकार, स्वस्थ त्वचा ही सबसे खूबसूरत त्वचा है.

बार-बार चेहरा धोना नहीं है मुहांसों का इलाज: मानसून में पसीना और अतिरिक्त तेल मुहाँसों को बढ़ा सकते हैं. चेहरे को बार-बार धोने के बजाय हल्के फेसवॉश से साफ करें। बहुत तैलीय क्रीम और हेयर प्रोडक्ट्स से भी बचें.

भीगे बालों को लंबे समय तक गीला न रखें: बारिश में भीगने के बाद बालों को जल्द सुखाएं. लगातार खुजली, रूसी या बाल झड़ने की समस्या हो तो इसे नजरअंदाज न करें और विशेषज्ञ की सलाह लें.

मानसून में भी जरूरी है सनस्क्रीन: बादल- किरणों को पूरी तरह नहीं रोकते. इसलिए बाहर निकलते समय सनस्क्रीन लगाना जरूरी है, खासकर पिग्मेंटेशन और टैनिंग से बचने के लिए.

घरेलू नुस्खों से रहें सावधान: सोशल मीडिया पर बताए नींबू, टूथपेस्ट या बेकिंग सोडा जैसे नुस्खे त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं. बिना विशेषज्ञ की सलाह के इन्हें त्वचा पर न लगाएं.

एक नजर में 21 वीं सानंद नाट्य स्पर्धा के छठवें दिन सार्थक सांस्कृतिक कला संस्था की प्रभावी प्रस्तुति

दूसरा अंक : जब शब्द जीवन को टूटने से बचाते हैं

नवभारत

इंदौर. 21 वीं सानंद नाट्य स्पर्धा के छठवें दिन सार्थक सांस्कृतिक कला संस्था ने नाटक 'दूसरा अंक' का प्रभावी मंचन किया. इसके लेखक रविशंकर झिंगरे और दिग्दर्शक सतीश मुंग्रे हैं. दूसरा अंक केवल एक लेखक की कहानी नहीं, बल्कि उस संवेदनशील मनुष्य की यात्रा है, जो जीवन की तमाम मुश्किलों के बावजूद अपनी रचनात्मकता का दामन नहीं छोड़ता.

नाटक कलाकार के भीतर चलने वाले उस द्वंद्व को प्रभावी ढंग से सामने लाता है, जहां एक ओर सपने और सृजन हैं तो दूसरी ओर परिवार, आर्थिक संकट और स्वास्थ्य जैसी कठोर वास्तविकताएं. नाटक का केंद्रीय पात्र उल्हास कोळी बैंक में नौकरी करने वाला एक सामान्य व्यक्ति है, लेकिन उसके भीतर एक असाधारण लेखक सांस लेता है. उसके लिए लेखन महज शौक नहीं, बल्कि जीवन की जरूरत है. परिस्थितियां जब लगातार उसके सामने दीवारें खड़ी करती हैं, तब सवाल उठता है कि क्या रचनात्मकता इन दीवारों को पार कर सकती है?'दूसरा अंक' इसी सवाल को बेहद मानवीय ढंग से टटोलता है. रविशंकर झिंगरे की लेखनी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि उन्होंने कथा को केवल संघर्ष की कहानी बनाकर नहीं छोड़ा, बल्कि कलाकार के मनोविज्ञान और उसके रिश्तों की बारीकियों को भी शब्द दिए हैं. संवाद सहज हैं, लेकिन उनके भीतर विचार और संवेदना की गहराई है. नाटक का शीर्षक भी अपने आप में अर्थपूर्ण है कि मानो जीवन का पहला अंक चाहे जितना कठिन रहा हो, कहानी अभी खत्म नहीं हुई है.

निर्देशक सतीश मुंग्रे ने लेखक की संवेदना को मंच पर सधे हुए ढंग से रूपांतरित किया है. पात्रों के बीच संबंधों की गर्माहट, तनाव और अंतर्द्वंद्व को उन्होंने अनावश्यक नाटकीयता से बचाते हुए प्रस्तुत किया है। मंच पर गति और ठहराव का संतुलन नाटक के प्रभाव को बढ़ाता है. उल्हास के जीवन में नेत्रा का किरदार रिश्तों में विश्वास और सहारे का प्रतीक है, जबकि जयराम मित्रता और प्रेरणा की ताकत बनकर सामने आता है। वहीं नाथा व्यावसायिक दुनिया की व्यावहारिकता और उसकी कठोर सच्चाइयों का प्रतिनिधित्व करता है. इन पात्रों के माध्यम से नाटक कलाकार के अकेले संघर्ष को सामूहिक अनुभव में बदल देता है.

कलाकार
समीर कोरडे, धवल वैद्य, विनय बोकिल, दिक्षा वडनेरकर, राशि वडनेरकर, यश एरंडोलकर.

'दूसरा अंक' अंततः यही कहता है कि जीवन चाहे जितनी बार हमें तोड़ने की कोशिश करे, सृजन की एक छोटी-सी लौ भी भीतर बची रहे तो कहानी का अगला अंक लिखा जा सकता है।